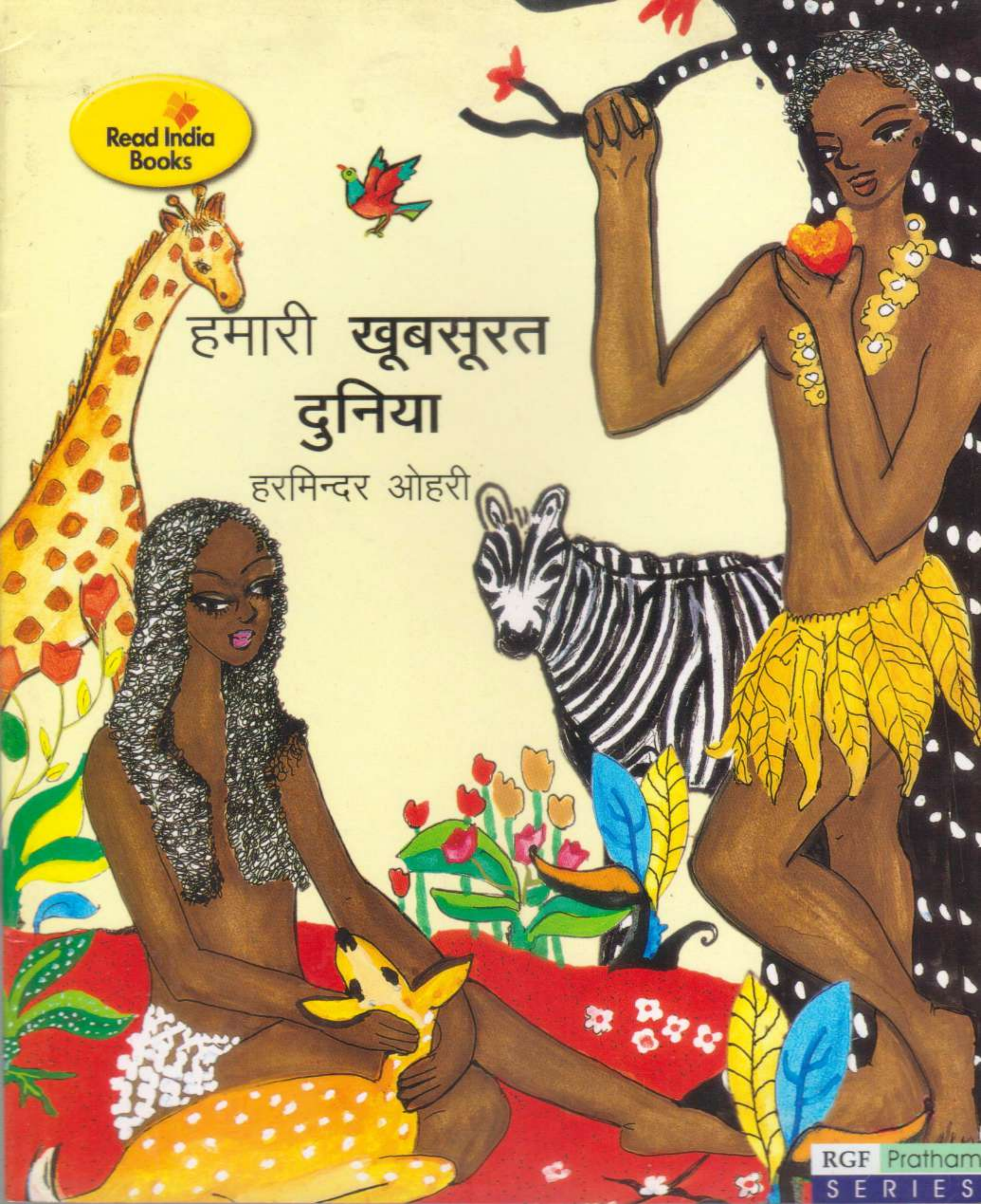

Read India Books
हमारी खूबसूरत दुनिया
हरमिन्दर ओहरी
RGF Pratham
SERIES

Original Story (*English*) Our Wonderful World by Herminder Ohri

First edition: 2004

Illustrations: Herminder Ohri & Baaraan Ijlal
Design: Moonis Ijlal
Hindi Translation: Pratham Books Team

ISBN: 81-8263-040-1

Registered Office :
PRATHAM BOOKS
930, 4th Cross, 1st Main, MICO Layout, Stage 2,
Bangalore 560 076

Regional Offices in Mumbai and New Delhi

Typesetting and Layout by :
Pratham Books

Printed by :
International Print-O-Pac Limited
New Delhi

Published by :
Pratham Books
www.prathambooks.org



हमारी खूबसूरत दुनिया

लेखन
हरमिन्दर ओहरी

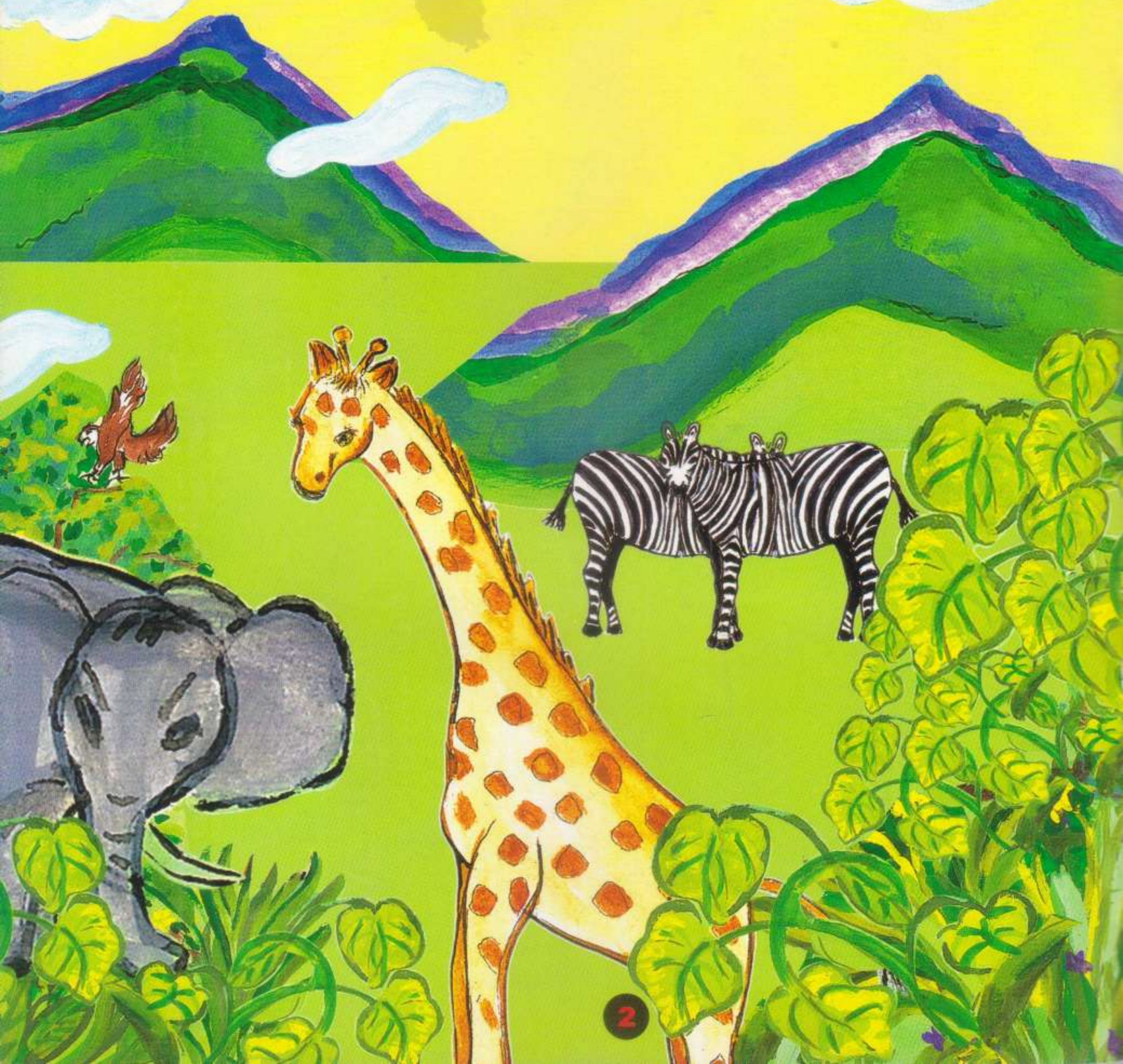
चित्रांकन
हरमिन्दर ओहरी
बारान इजलाल



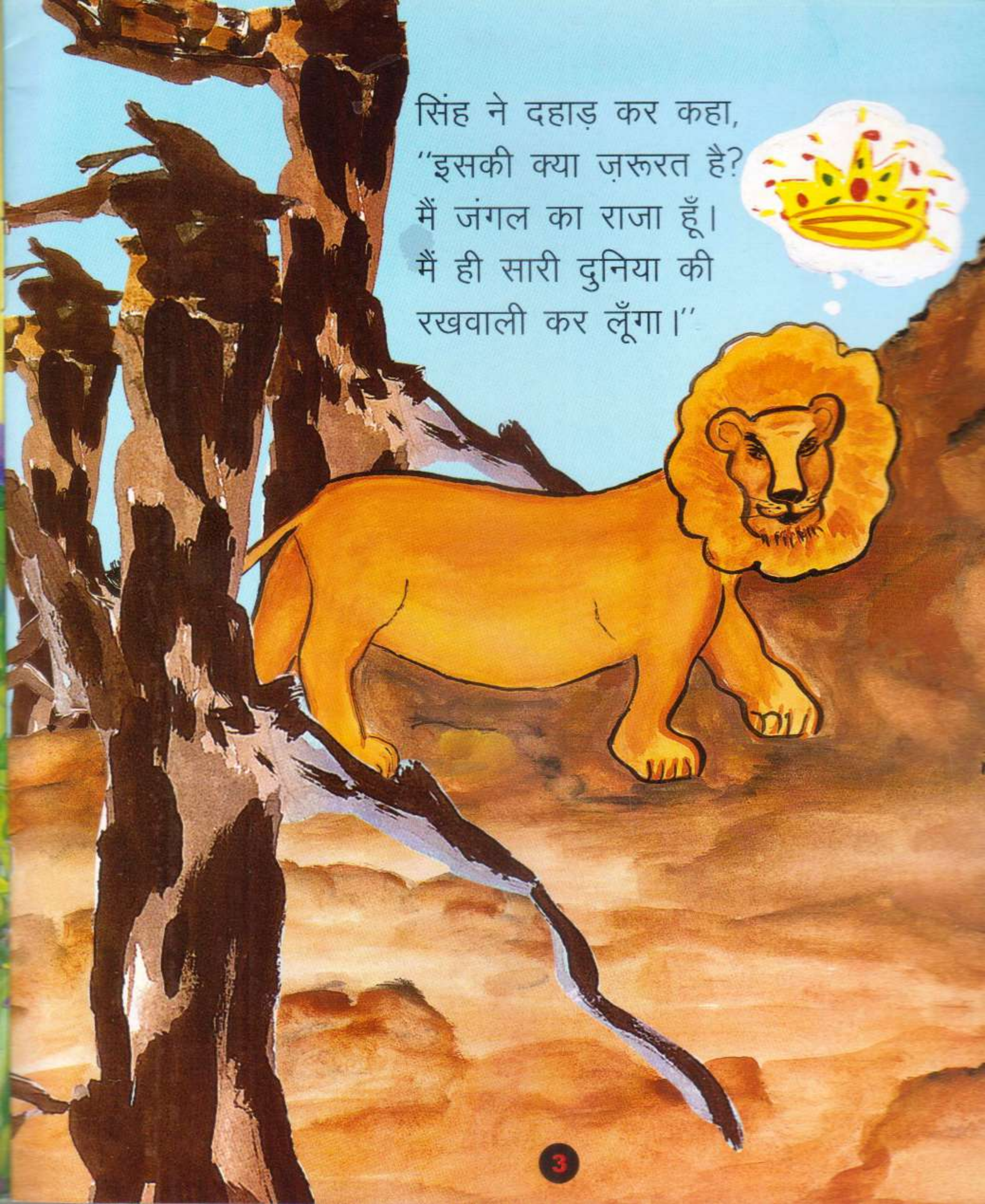
हिन्दी अनुवाद
प्रथम पुस्तक समूह

RGF Pratham
SERIES

बहुत पुरानी बात है। तब इस धरती पर कोई इन्सान नहीं रहता था। दुनिया को बनाने वाले ने सोचा–"मुझे एक रखवाला चाहिए जो इस दुनिया की देखभाल कर सके।"



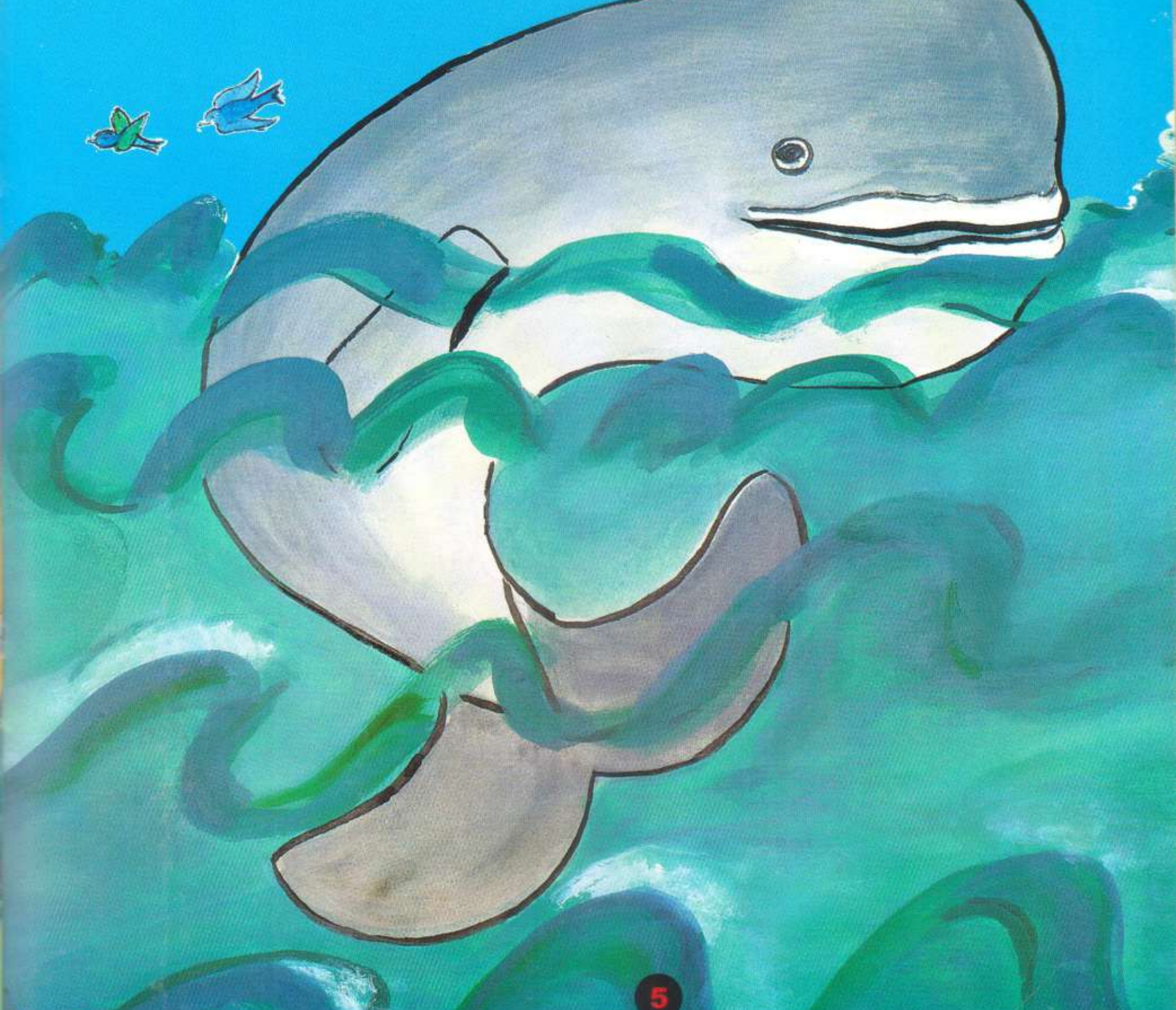
सिंह ने दहाड़ कर कहा,
"इसकी क्या ज़रूरत है?
मैं जंगल का राजा हूँ।
मैं ही सारी दुनिया की
रखवाली कर लूँगा।"



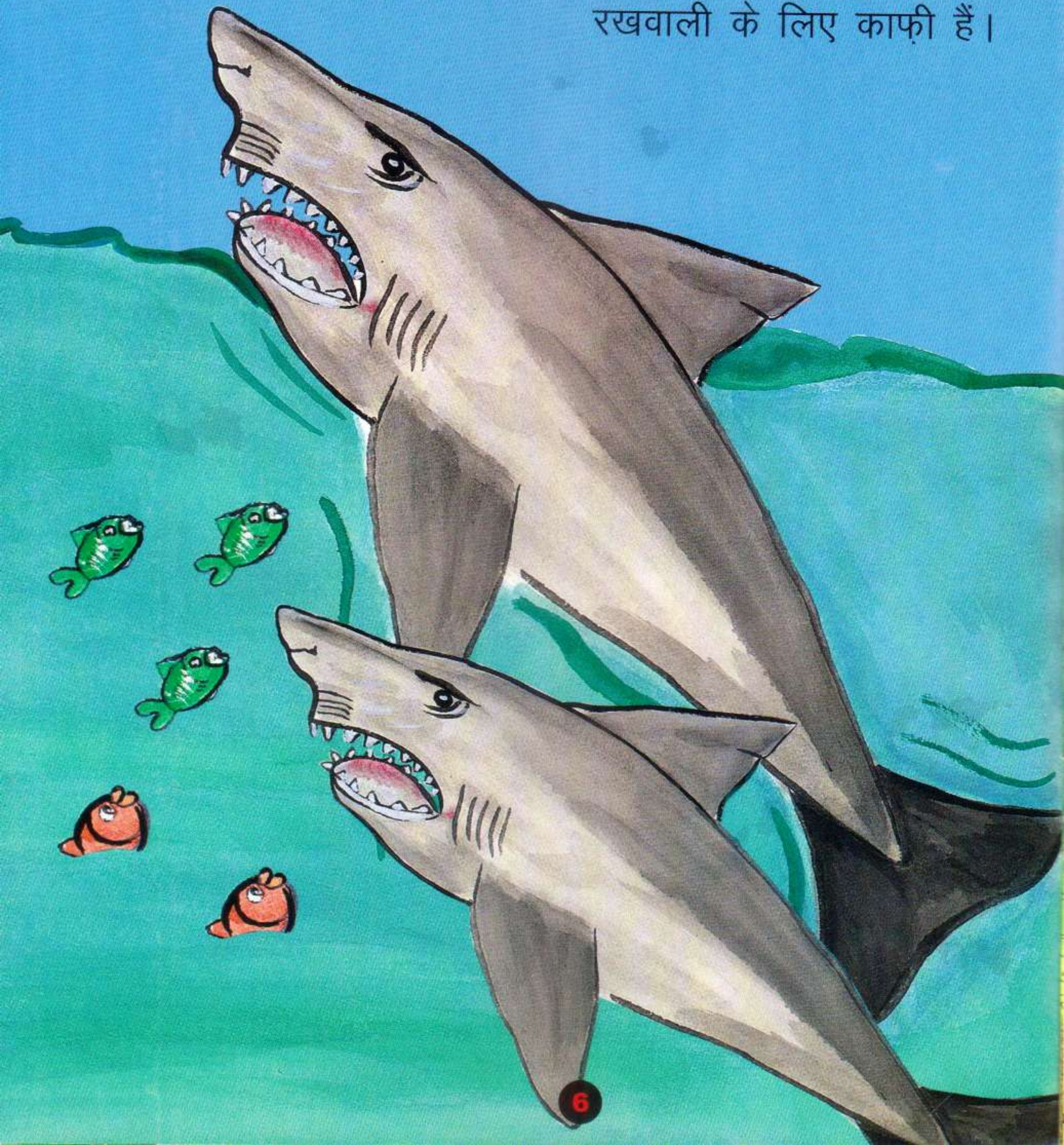
हाथी ने सिर हिलाते हुए कहा–"हुज़ूर, आपने मुझे इतना भारी भरकम और शानदार बनाया है। मैं ही इस काम के लिए ठीक हूँ।"



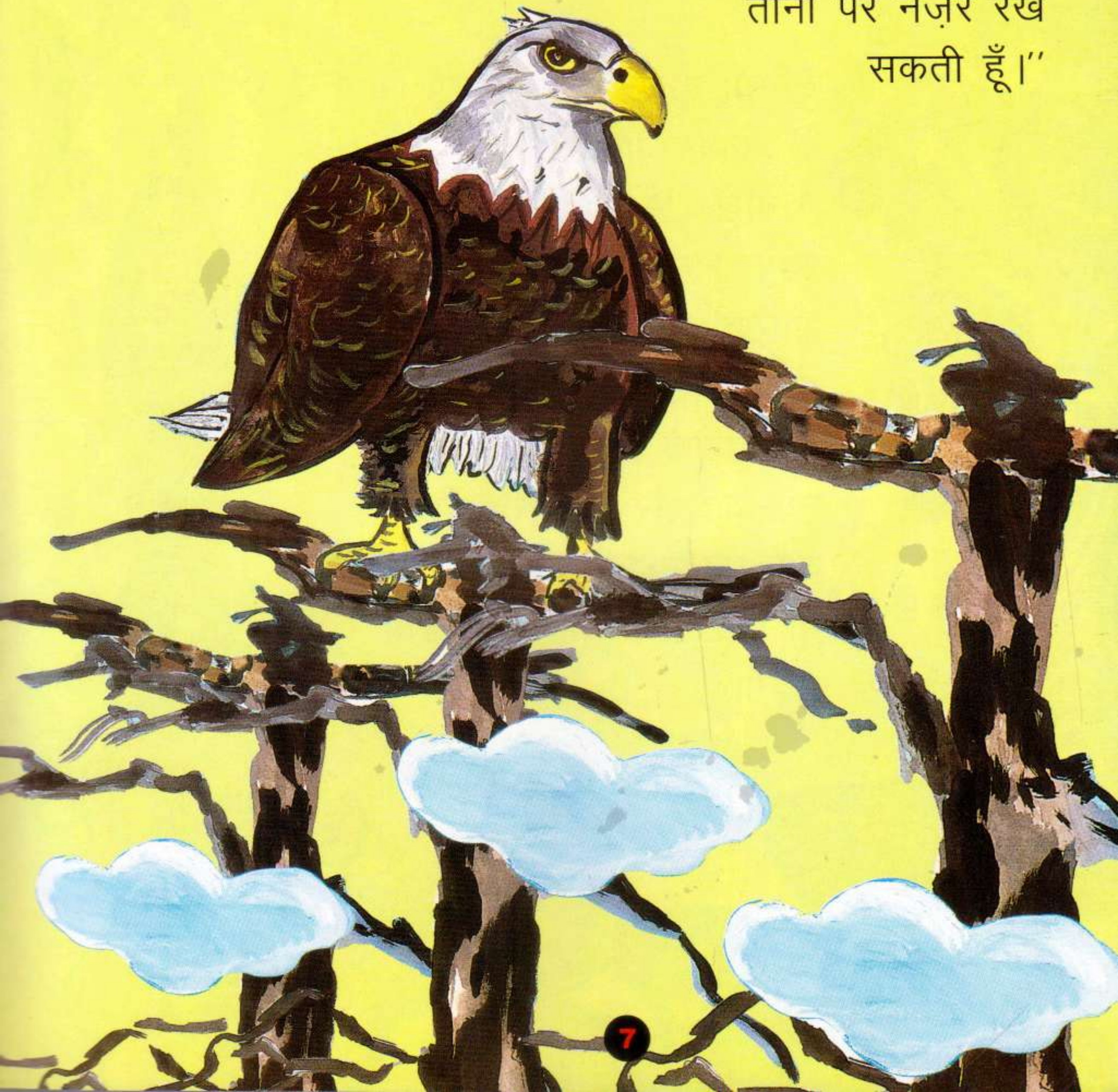
ह्वेल मछली ने पूछा, "क्या ये सब तैर सकते हैं? क्या ये दूसरी मछलियों और समुद्र के जीव–जन्तुओं की रखवाली कर पायेंगे? आखिर मैं हूँ समुद्र की रानी। मैं अपना सिर पानी के ऊपर उठाकर देख सकती हूँ कि धरती पर क्या हो रहा है।"

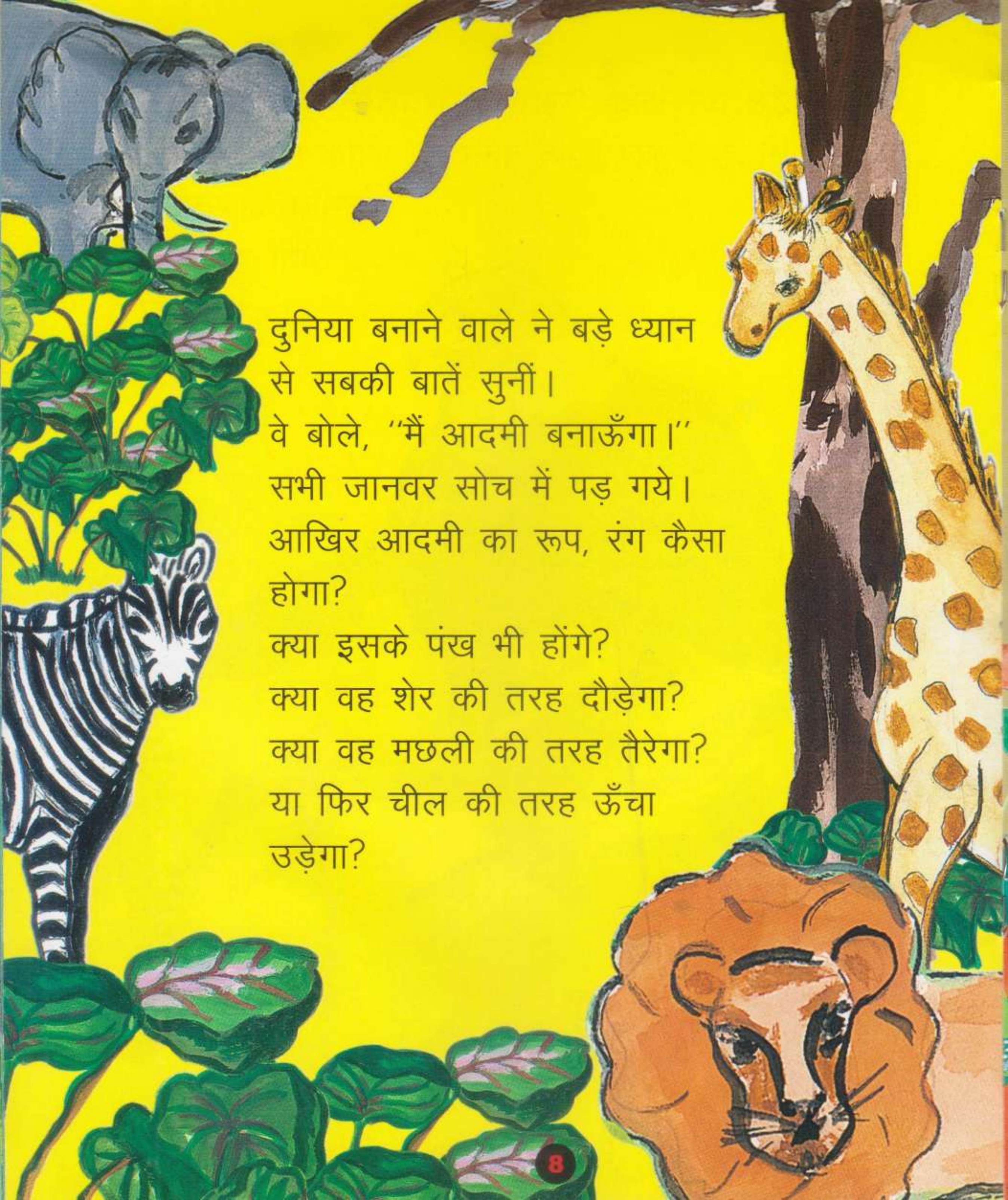


शार्क ने एलान किया कि उसके नुकीले दाँत ही दुनिया की रखवाली के लिए काफ़ी हैं।

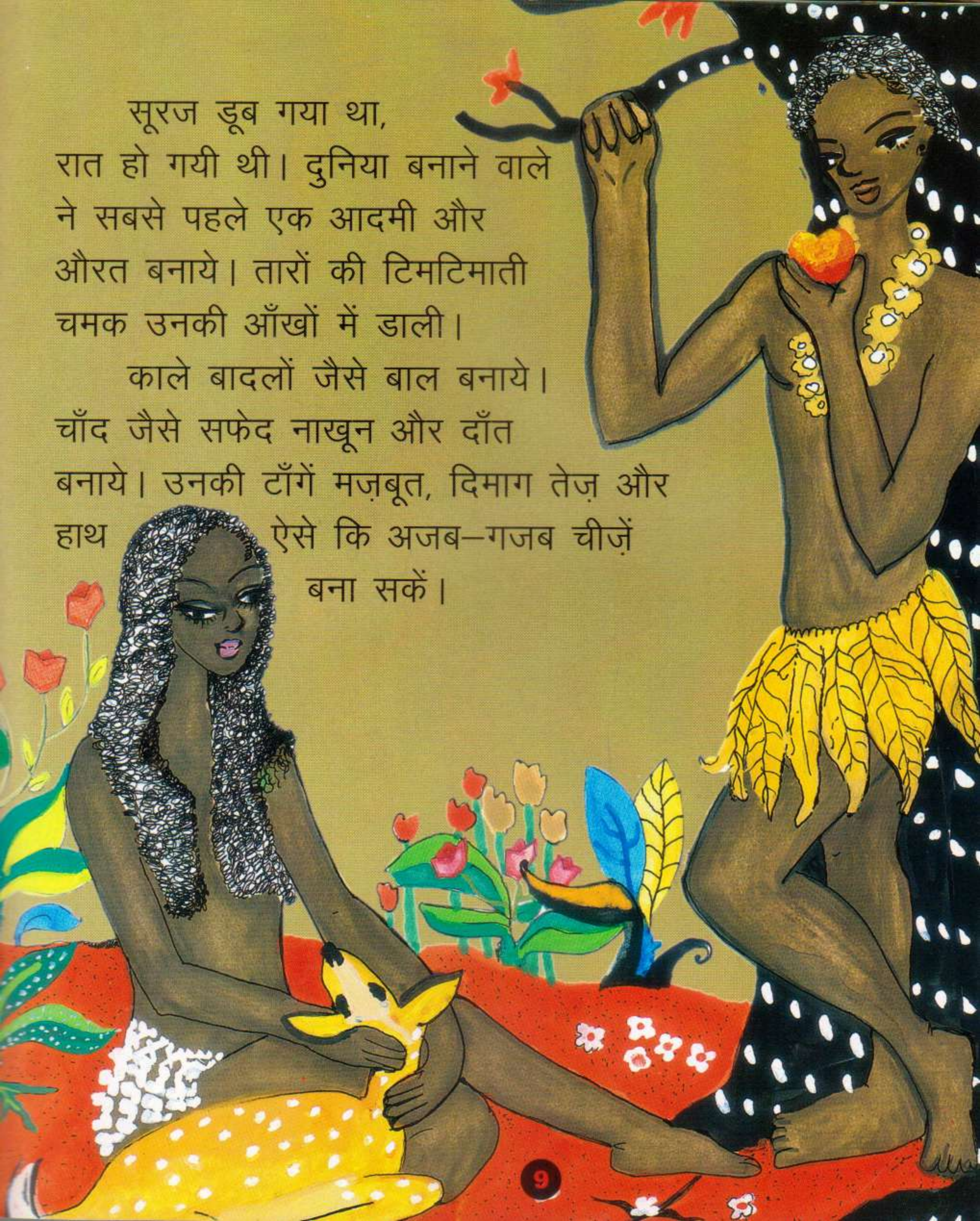


चील ने हँस कर कहा, "जानवर तो सिर्फ़ ज़मीन का ही ध्यान रख पायेंगे, ह्वेल और शार्क पानी का, लेकिन मैं तो उड़ते हुए ज़मीन–आसमान–पानी तीनों पर नज़र रख सकती हूँ।"





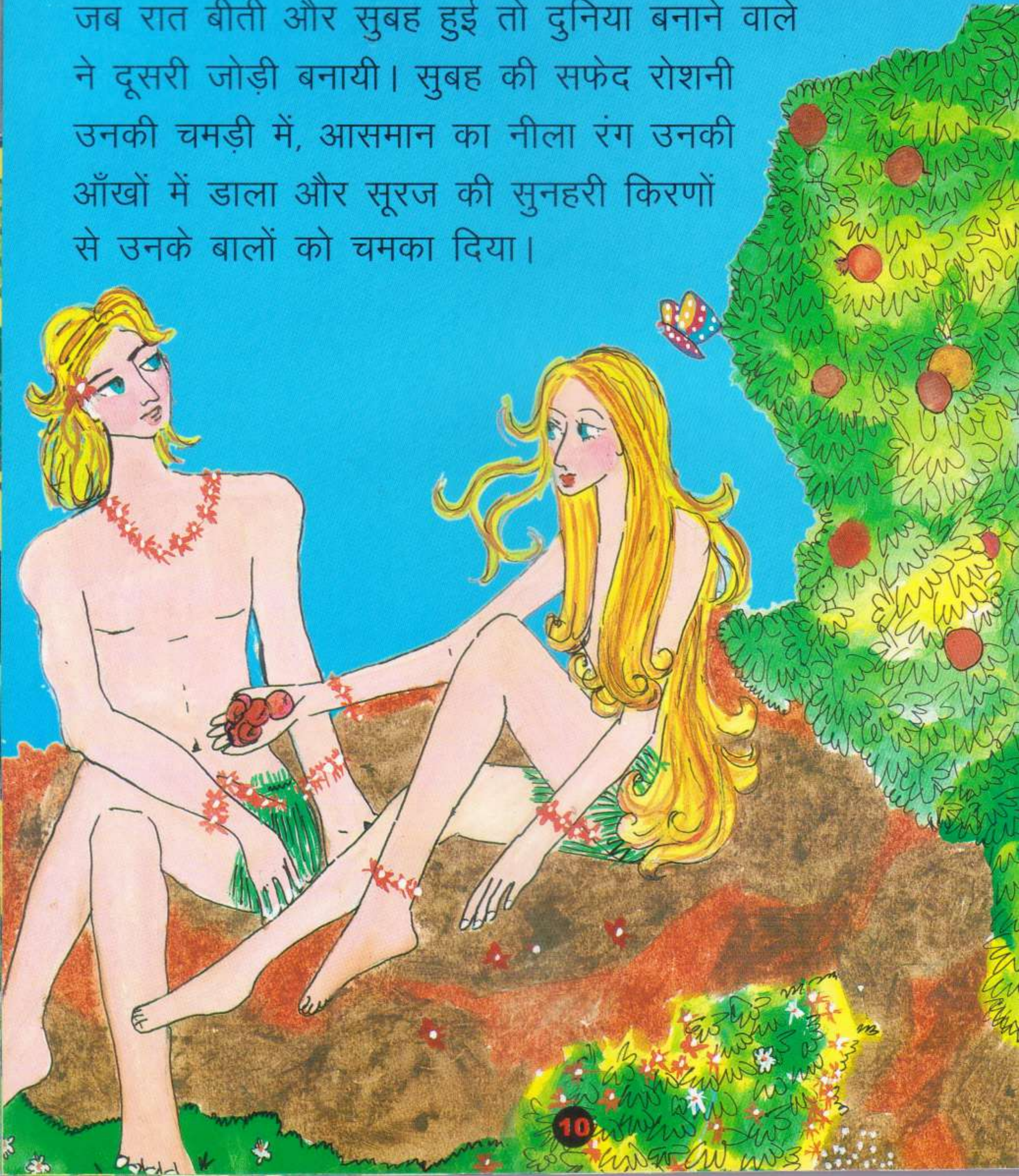
दुनिया बनाने वाले ने बड़े ध्यान
से सबकी बातें सुनीं।
वे बोले, "मैं आदमी बनाऊँगा।"
सभी जानवर सोच में पड़ गये।
आखिर आदमी का रूप, रंग कैसा
होगा?
क्या इसके पंख भी होंगे?
क्या वह शेर की तरह दौड़ेगा?
क्या वह मछली की तरह तैरेगा?
या फिर चील की तरह ऊँचा
उड़ेगा?



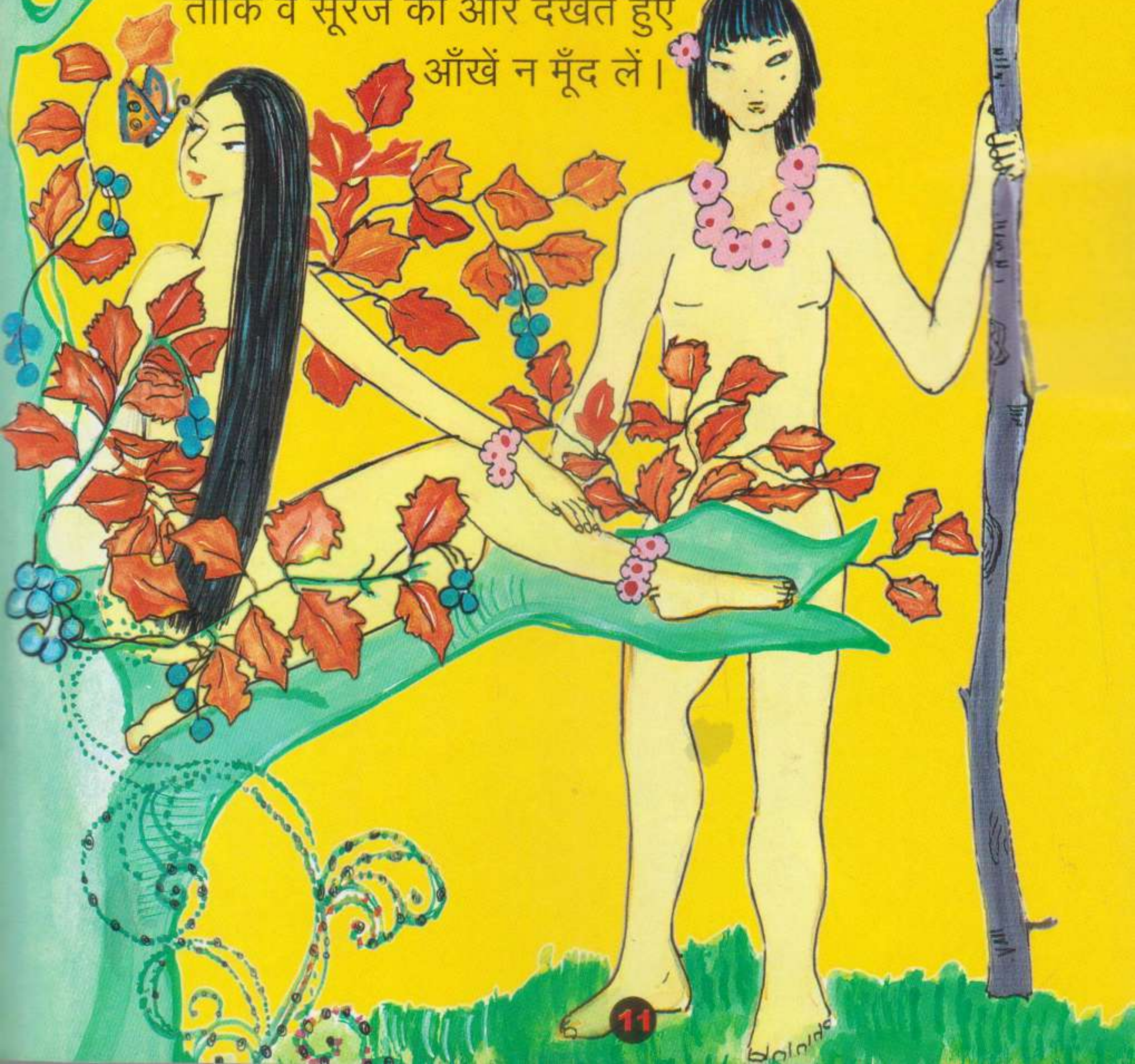
सूरज डूब गया था, रात हो गयी थी। दुनिया बनाने वाले ने सबसे पहले एक आदमी और औरत बनाये। तारों की टिमटिमाती चमक उनकी आँखों में डाली।

काले बादलों जैसे बाल बनाये। चाँद जैसे सफेद नाखून और दाँत बनाये। उनकी टाँगें मज़बूत, दिमाग तेज़ और हाथ ऐसे कि अजब–गजब चीज़ें बना सकें।

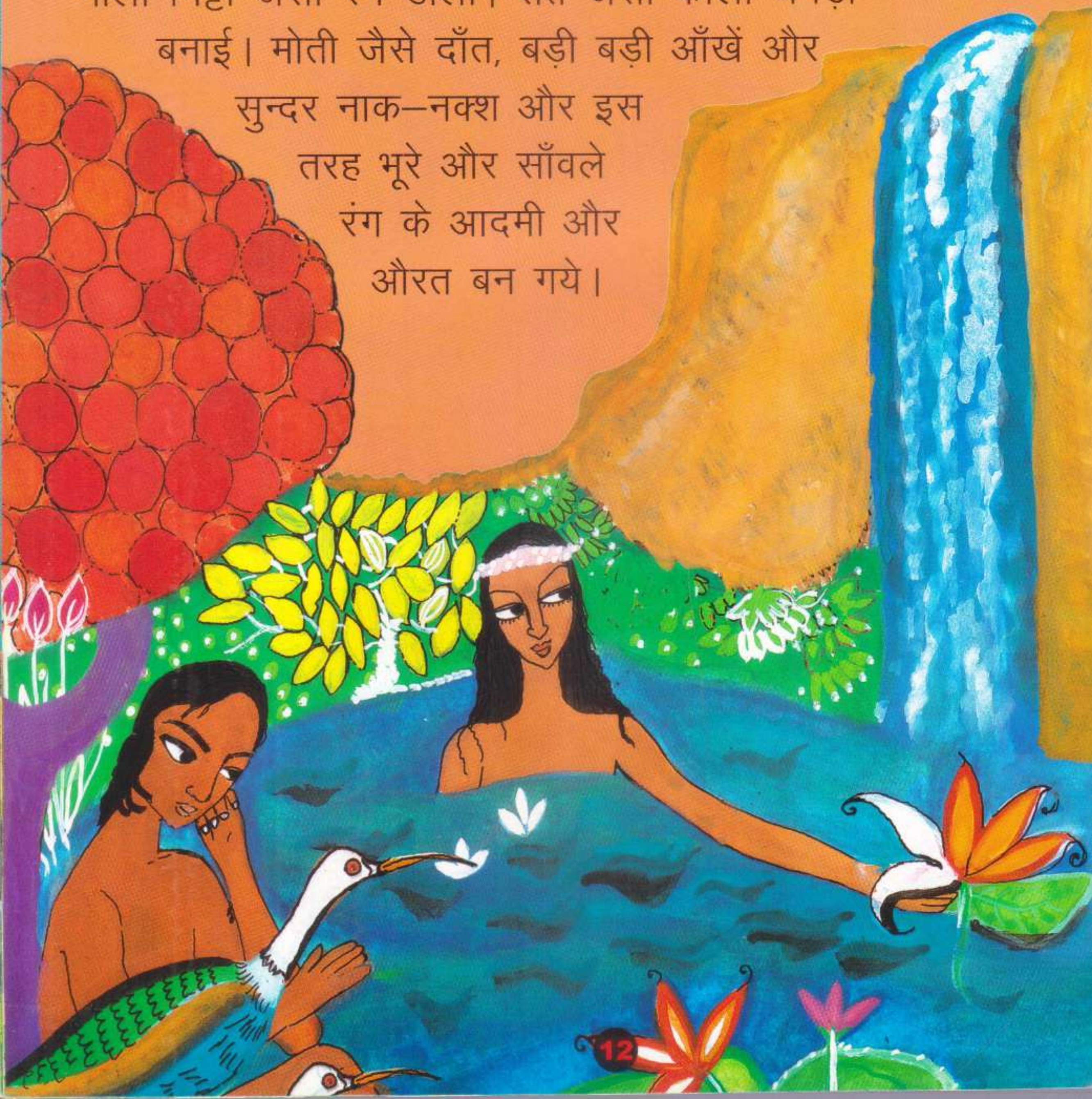
जब रात बीती और सुबह हुई तो दुनिया बनाने वाले ने दूसरी जोड़ी बनायी। सुबह की सफेद रोशनी उनकी चमड़ी में, आसमान का नीला रंग उनकी आँखों में डाला और सूरज की सुनहरी किरणों से उनके बालों को चमका दिया।



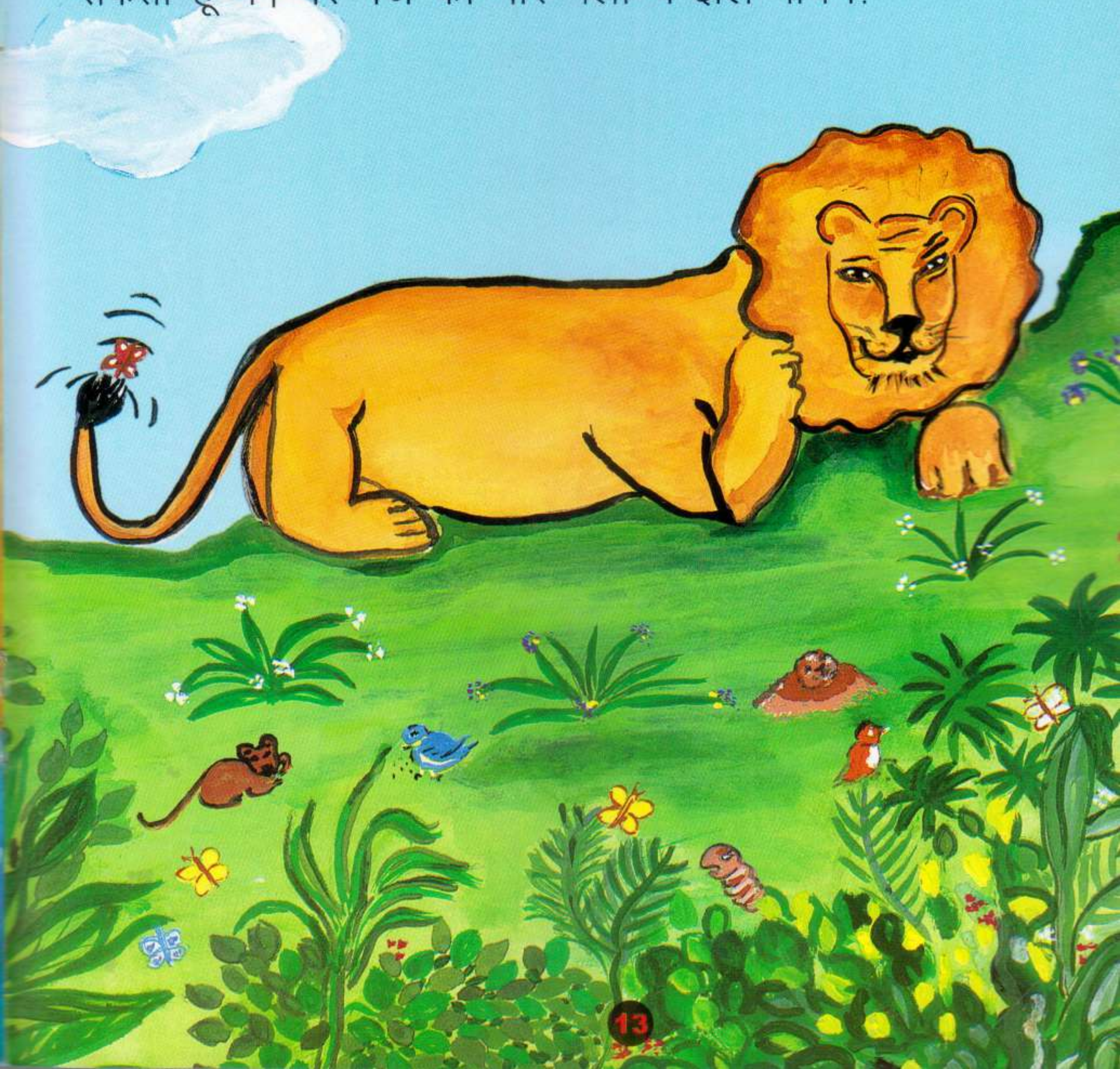
अब दोपहर हो आई थी। सूरज तप रहा था। तेज़ धूप पीले चमकीले बाण बरसा रही थी। तीसरे जोड़े के लिए दुनिया बनाने वाले ने उस पीली रोशनी को तराशा, दोपहर की घनी छाँह से बाल बनाये, काली तिरछी आँखें बनायीं, ताकि वे सूरज की ओर देखते हुए आँखें न मूँद लें।



शाम हो गयी। दुनिया बनाने वाला गाढ़े नीले आकाश से नीचे झाँक रहा था। चौथी और आखिरी जोड़ी के शरीर पर उसने गीली मिट्टी जैसा रंग डाला। रात जैसी काली चमड़ी बनाई। मोती जैसे दाँत, बड़ी बड़ी आँखें और सुन्दर नाक–नक्श और इस तरह भूरे और साँवले रंग के आदमी और औरत बन गये।



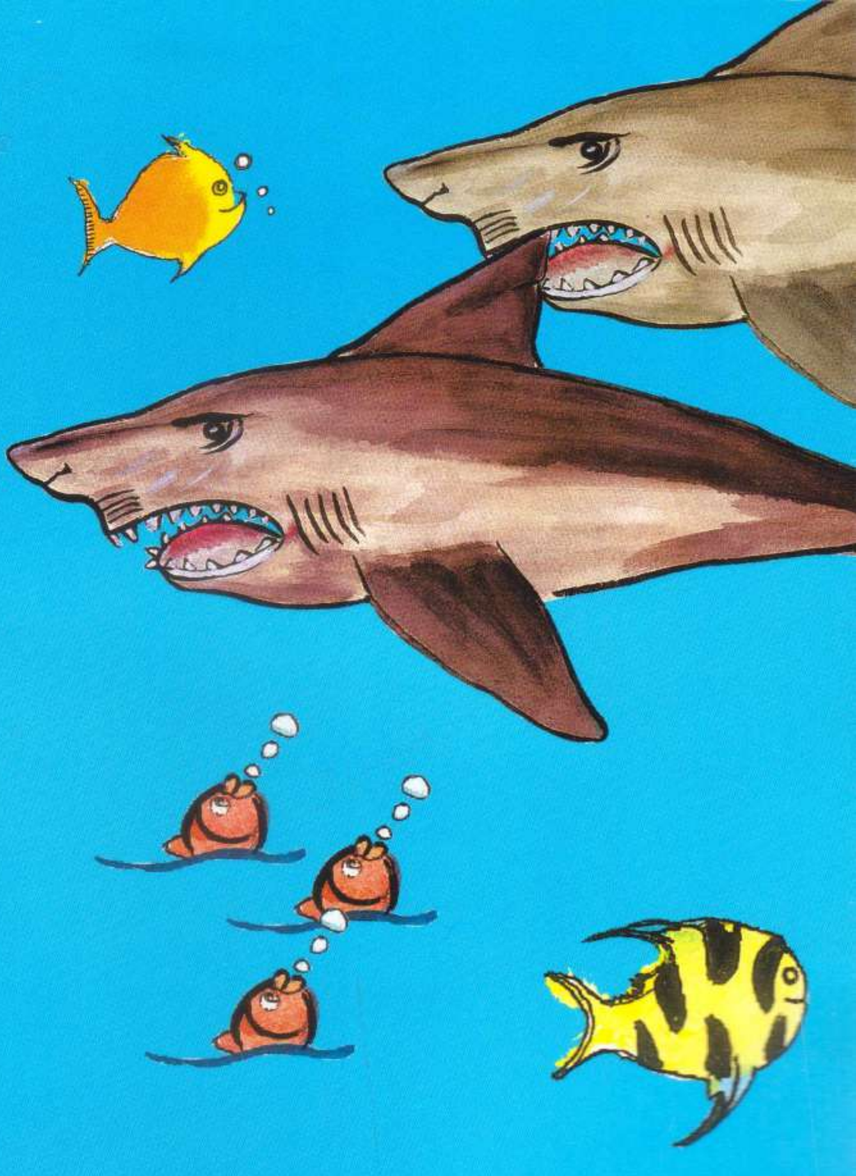
सारे जानवर ताज्जुब से इन आदमियों और औरतों को बनते हुए देख रहे थे। ये लोग अपनी दो टाँगों पर खड़े थे। उनके शरीर पर न पंख थे, न बाल। सिंह गरजा, ''इनसे तेज़ दौड़ सकता हूँ मैं। मेरे पंजे की मार भला ये झेल पायेंगे?''

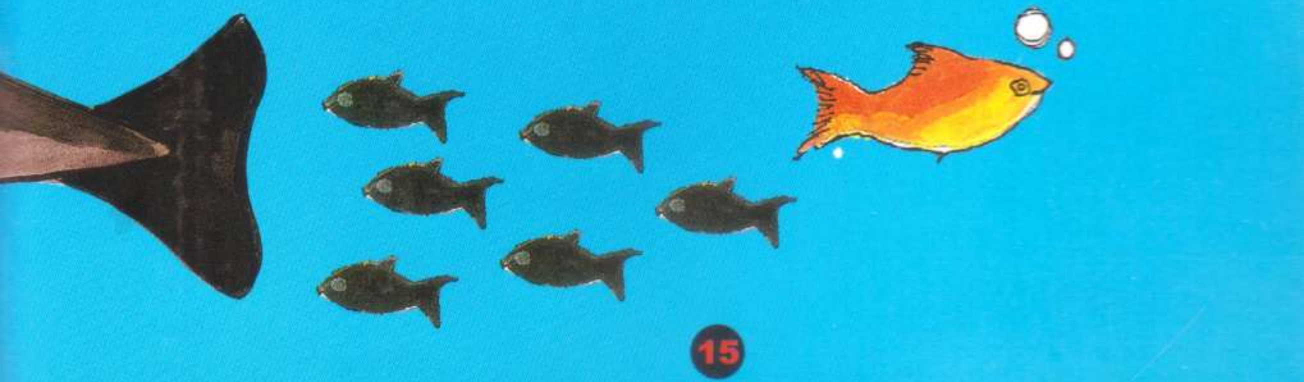


ज़ेब्रा बोला–"धारियाँ होतीं तो भी कोई बात थी।" सारे जानवर मान बैठे थे कि वे आदमी से ज़्यादा सुन्दर हैं।
हाथी बोला– "क्या मेरा सलेटी रंग ज़्यादा सुंदर नहीं है ?"
चीते ने कहा–" दो चार धब्बे भी इनके शरीर पर होते तो अच्छा होता।"



शार्क उनके
छोटे–छोटे दाँतों को
देखकर हँसने लगी,
"हुँह, ये भला तैरेंगे
कैसे? ये हमारी
क्या रखवाली
करेंगे?" बड़ी–छोटी
सारी की सारी
मछलियाँ
हँसते हुए
पानी में डुबकियाँ
लगाने लगीं और
अपने पीछे
हँसी के बुलबुले
छोड़ने लगीं।



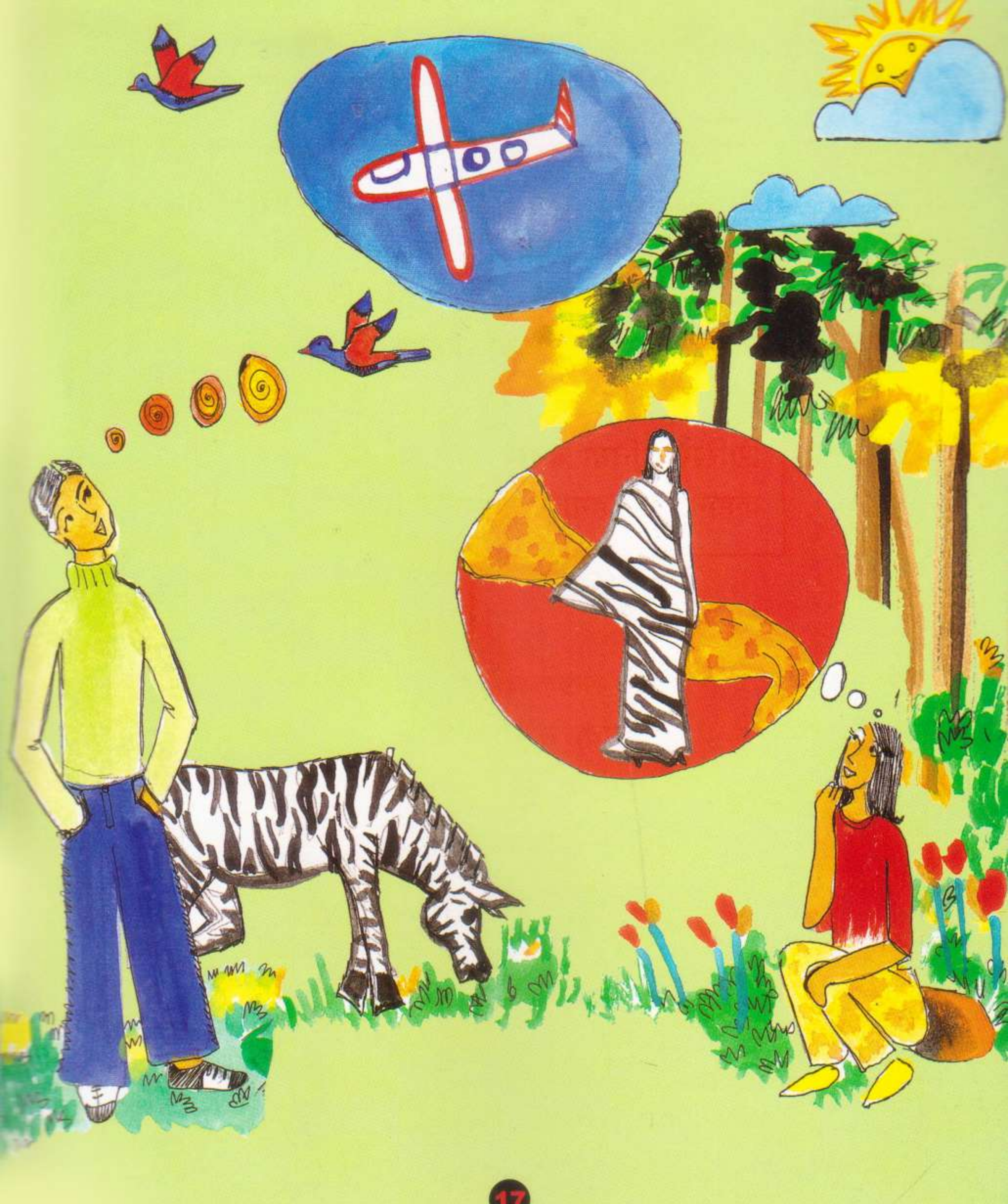


दुनिया बनाने वाला हल्के से मुस्कराया, ''तुम सब घबराओ नहीं। तुम्हें देखकर इन्सान दौड़ना, भागना, हँसना, खेलना, तैरना सीखेगा।

तुम्हारे जैसे धब्बे और धारियाँ अपने रंग–बिरंगे कपड़ों पर बनायेगा। अपने तेज़ दिमाग से ऐसी चीज़ें बनायेगा जो उसे आसमान की ऊँचाई और समुद्र की गहराई तक ले जायें। तुम्हारी मदद से इन्सान को हर एक जीव की रक्षा करनी पड़ेगी। समुद्र की, पेड़–पौधों की, सभी पशु–पक्षियों की।''

आओ, इस खूबसूरत दुनिया की रखवाली का संकल्प लेते हैं।





दुनिया बनाने वाले ने तरह–तरह के पशु–पक्षी बनाये। उसके बाद वे दुनिया की रखवाली करने के लिए आदमी बनाने लगे। पशु–पक्षियों ने इसका विरोध किया– उनका कहना था कि इसकी क्या ज़रूरत है।

आखिर दुनिया बनाने वाले ने क्या किया– इसकी कहानी है–'हमारी खूबसूरत दुनिया'।

इसी लेखक की अन्य पुस्तकें

एक बड़ी मुसीबत

रोन्दू और मुक्की

नौका की सैर

छुटकू मकड़ा

Pratham Books

Hamaari Khoobsoorat Duniya (Hindi)

M.R.P. Rs.20.00

ISBN 81-8263-040-1

9788182630406